

न्यायालय जिला कलेक्टर, पाली
पीठासीन अधिकारी:: श्री अंश दीप, आई.ए.एस

पंचायत निगरानी :: 15/2018 ::

जीसीएमएस नम्बर :: 2018/00049

प्रार्थी :-

बनाम

अप्रार्थीगण :-

7. अण्चाई पत्नी भंवरलाल जी,
 8. रामलाल पुत्र कानाराम जी
 9. चम्पालाल पुत्र कानाराम जी
 10. पांचीदेवी पत्नी भाकरराम जी
 11. ओमप्रकाश पुत्र भाकरराम जी
 12. राजूराम पुत्र भाकरराम जी
तमाम जाति कुमावत, निवासीगण-
निमाज, तहसील जैतारण, जिला
पाली (राज.)
4. ग्राम पंचायत निमाज जरिये सरपंच
ग्राम पंचायत निमाज जैतारण जिला
पाली (राज.)
 5. ग्राम सेवक एवं पदेन सचिव, ग्राम
पंचायत निमाज पंचायत समिति
जैतारण जिला पाली (राज.)।
 6. नथमल पुत्र मोहनलाल जी,
सभी जाति कलाल, निवासी-ग्राम
निमाज तहसील जैतारण जिला पाली
(राज.)।

पंचायत निगरानी अन्तर्गत धारा 97 राज. पंचायती राज अधिनियम, 1994

उपस्थित :- प्रार्थी की ओर से अधिवक्ता श्री श्याम पंचारिया
अप्रार्थी की ओर से चन्द्रप्रकाश वैष्णव

-: निर्णय :-

दिनांक :- 18-10-21

अधिवक्ता प्रार्थी द्वारा यह निगरानी प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा 97 राजस्थान पंचायती राज अधिनियम 1994 के ग्राम पंचायत निमाज की मिसल संख्या 321 ए/1971-72 में पारित आज्ञा दिनांक 23.1.1972 एवं प्रस्ताव संख्या 1 दिनांक 23.1.1972 की पालना में पारित पट्टा संख्या 19 के विरुद्ध प्रस्तुत कर उसे निरस्त कराने हेतु निवेदन किया है प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र दर्ज रजिस्टर कर अप्रार्थीगण को तलब किया जाकर जाकर ग्राम पंचायत निमाज का जैर निगरानी पट्टा सम्बन्धी रेकॉर्ड तलब किया गया एवं बहस सुनी गई।

वक्त बहस आवाजें लगाने के उपरान्त भी अधिवक्ता प्रार्थी उपस्थित नहीं हुए तो प्रार्थी के विरुद्ध एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर निगरानी के गुणावगुण पर निर्णय हेतु बहस अधिवक्ता अप्रार्थी सुनी गई।

प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में उल्लेखित अनुसार ग्राम निमाज तहसीलदार जैतारण में प्रार्थी के पिता व प्रपिता ताराराम वल्द अखाराम की खातेदारी कब्जा काश्त की कृषि भूमी खसरा नंबर 751 रकबा 24 बीघा 15 बिस्वा किस्म चाही दायम स्थित है। उसमें से 2 बीघा भूमी अप्रार्थी के पिता भंवरलाल, मोहनलाल, चम्पालाल पुत्र गणेशमल जाति कलाल निवासी निमाज को दिनांक 13.10.1959 को जरिये रजिस्टर्ड विक्रय विलेख के बेचाण की गई। जो प्रार्थी के पूर्वज ताराजी द्वारा अप्रार्थी के पूर्वज भंवरलालजी वगैरा को बेचाण की। जिसका रकबा 2 बीघा कुल क्षेत्रफल 34,848 वर्ग फिट भूमी बनती है। उक्त भूमी के पास आबादी भूमी नहीं है। उक्त विक्रय पत्र का नामान्तरकरण संख्या 98 दिनांक 28.10.1959 को स्वीकृत हुआ। अप्रार्थी क्रेता द्वारा अपनी क्रय की गई भूमी को राज्य सरकार के आदेश से किस्म परिवर्तन कर आबादी दर्ज कराने की कार्यवाही की जिसका नामान्तरकरण आबादी में दर्ज हुआ। बाद बेचाण खसरा नंबर 751 में अप्रार्थी को बेचाण की गई भूमी के बाद 22 बीघा 15 बिस्वा है। उसमें से 2 बीघा 2 बिस्वा भूमी अप्रार्थीगण ने भंवरलाल पुत्र लालाराम माली निवासी जैतारण को जरिये विक्रय विलेख कि गई। 12.2.1996 के बेचाण हस्तान्तरण की तथा प्रार्थी के पास 20 बीघा 13 बिस्वा भूमी शेष रही जिसके खसरा नंबर 751/3 आबादी से दर्ज हुआ। 751 खसरा नंबर में से 6 बिस्वा भूमी राज्य सरकार द्वारा सड़क सीमा में आवाप्त की गई जिसके खसरा नंबर 751/2 एवं पीडबल्यूडी के खाते में दर्ज है। खसरा नंबर 751/1 रकबा 2 बीघा गैर मुमकिन आबादी भंवरलाल, नथमल पुत्र पिसरान मोहनलाल, भंवरी देवी पतनी मोहनलाल, नेमीचन्द पुत्र चम्पालाल भंवरी पत्नी चम्पालाल कलाल साकिन देह खातेदार के नाम जमाबंदी वर्ष 1959-72 में दर्ज थी। तथा प्रार्थी की खातेदारी भूमी व जोधपुर, जयपुर हाईवे संख्या 112 के मध्य कोई आबादी भूमी स्थित नहीं है। अप्रार्थी द्वारा भूमी खरीद के बाद आबादी में दर्ज कराने के बाद ग्राम पंचायत से अपनी भूमी का पट्टा प्राप्त करने हेतु आवेदन पेश

क्रमश.....2

जिन्ना कलेक्टर, पाली

किया जिस पर जैर निगरानी पट्टा 1971-72 में मिसल संख्या 321 ए दर्ज कर पंचायत नियम 266 के तहत कार्यवाही कर अप्रार्थी नथमल के पिता मोहनलाल पुत्र गणेशमल व नथमल पुत्र मोहनलाल के हक में प्रस्ताव संख्या 1 दिनांक 23.1.1972 को पारित करते हुए पट्टा नंबर 20 जारी किया जो खसरा नंबर 751/1 में जारी किया गया है। इस प्रकार ग्राम पंचायत द्वारा 5527 वर्गगज का पट्टा जारी किया उक्त पट्टा 26.1.1972 को जारी किया उक्त पट्टे की आड़ में अप्रार्थी नथमल प्रार्थी की खातेदारी भूमि पर जबरन कब्जा करना चाहते हैं एवं प्रार्थी की भूमि को हड़पना चाहता है। इस कारण यह निगरानी निम्न आधारों पर पेश की है:-

ग्राम पंचायत निमाज द्वारा अप्रार्थीगण की खातेदारी कब्जा काशत की कृषि भूमि पर जैर निगरानी आज्ञा व प्रस्ताव एवं पट्टा जारी किया है जो निरस्त योग्य है उक्त पट्टा तत्कालीन सरपंच से मिलावट कर नियम 266 के तहत प्राप्त कर लिया है जो निरस्त योग्य है।

ग्राम पंचायत 266 के तहत अपनी आबादी भूमि का ही बेचाण हस्तान्तरण कर सकती है। जबकि प्रार्थी द्वारा अपनी 2 बीघा भूमि यदि 34848 वर्गफुट भूमि का बेचाण श्री मोहनलाल व चम्पालाल को किया था तथा आबादी में भी 2 बीघा भूमि ही दर्ज है नियम 266 के तहत ग्राम पंचायत अपनी आबादी भूमि पुराने बने आवास गृह को ही बेचाण कर सकती है जिस पर 40-50 वर्ष से कब्जा हो या निवास हो लेकिन जैर निगरानी भूमि खातेदारी थी एवं खातेदारी को आबादी भूमि करवाया गया था ग्राम पंचायत द्वारा नियम 258 से लेकर 265 तक की कार्यवाही विधी अनुसार नहीं की गई। आवेदक का आवेदन पत्र, नक्शा फीस व ग्राम सेवक का नक्शा तथा 3 वार्ड पंचों की मौका रिपोर्ट एवं आपत्तिया आमंत्रित करने की सूचना पत्र तथा गवाहों के बयानात मिसल पर नहीं लिए गए हैं इससे स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत द्वारा विधिक प्रावधानों की पालना नहीं की गई। एवं ग्राम पंचायत द्वारा 5527.50 वर्गगज अर्थात दोनों पट्टा 44220 वर्गफुट का पट्टा जारी कर दिया जो नियम विरुद्ध होने से पट्टा खारिज योग्य है। 2 बीघा भूमि यदि 34846 वर्गफीट भूमि ही बेचाण की गई थी एवं पट्टा 44220 वर्गफीट भूमि अर्थात 9372 वर्गफीट ज्यादा का जारी कर दिया जो विधीसम्मत नहीं होने से खारिज योग्य है। ग्राम पंचायत ने आबादी भूमि के अलावा प्रार्थीगण की कृषि भूमि पर पट्टा जारी कर दिया जो निरस्त फरमाया जावे। पट्टा के सम्बन्ध में प्रस्ताव संख्या 1 दिनांक 23.1.1972 रेकॉर्ड में नहीं होने से भी पट्टा निरस्त योग्य है। अप्रार्थी नथमल नाबालिग था जिसके नाम पट्टा जारी नहीं किया जा सकता न ही 40-50 वर्षों से पूर्व का जैर निगरानी आराजी पर अप्रार्थी का रहवास ही था इस आधार पर भी पट्टा निरस्त योग्य है।

वकील अप्रार्थी ने वक्त बहस कथन किया कि ग्राम पंचायत द्वारा आबादी भूमि का पट्टा जारी किया गया है खातेदारी भूमि में पट्टा जारी किए जाने का उल्लेख कहीं भी पट्टा या पत्रावली पर नहीं है जिसमें यह सिद्ध नहीं होता कि पट्टा गैर आबादी भूमि में जारी किया गया है जमाबन्दी की पत्रावली संलग्न फोटोप्रतियों से स्पष्ट है कि ग्राम पंचायत की मिसल नहीं है तथा मिसल नहीं होने से होने से ग्राम पंचायत नियमों की पालना नहीं की गई यह कहना विधीसम्मत नहीं है पट्टे पर मिसल संख्या 321ए/1971-72 अंकित है तथा प्रस्ताव संख्या 1 दिनांक 23.1.1971 अंकित है। इससे स्पष्ट है कि मिसल कायम की गई थी एवं प्रस्ताव भी पारित किया गया था। रेकॉर्ड नहीं होने के लिए अप्रार्थी को दण्डित नहीं किया जा सकता है। वकील अप्रार्थी का कथन की पट्टा नाप में अधिक भूमि का जारी किया गया है जो गलत है पट्टे पर अंकित नाप अनुसार पट्टा आराजी का नाप 67 फिट गुणा 82.5 फिट है जो कुल 5527.5 वर्गफीट ही होता है तथा दो पट्टों का नाप 44220 वर्गफीट ही होता है जिसका पैमाना पट्टा के उपर अंकित है जो प्रमाणित प्रति से स्पष्ट है इस प्रकार अधिक नाप की भूमि का पट्टा बना दिया है यह कथन गलत है। भूमि अप्रार्थी के पिता चम्पालालजी द्वारा क्रय की गई थी। इसलिए नियम 266 के तहत पट्टा बनाया गया है अप्रार्थी का नाम नेमीचंद है एवं निगरानी प्रार्थना पत्र में नथमल के नाम से पट्टा जारी होना लिखा है जो विधीसम्मत नहीं है नथमल के नाम से किसी प्रकार का कोई पट्टा जारी नहीं किया गया है। जो फोटोप्रति से स्पष्ट है। उपरोक्त सभी तथ्यों के परिणामस्वरूप निगरानी खारिज फरमाई जाकर जैर निगरानी पट्टा यथावत रखा जावे।



बहस सुनी गई एवं पत्रावली का अवलोकन किया गया। इस निगरानी में विचारण योग्य निम्न बिन्दु है :-

1. क्या पट्टा गैर आबादी भूमि में जारी किया गया है ?
 2. क्या पट्टा नियमानुसार नियम 266 की पालना करते हुए जारी किया गया है ?
 3. पट्टा का नाप 5527 वर्गगज का पट्टा जारी किया जाना वर्ष 1972 में अनुमत था ?
 4. क्या पट्टा धारक नाबालिग था ?
1. पत्रावली पर उपलब्ध रेकॉर्ड एवं दस्तावेजात से यह सिद्ध नहीं होता कि जैर निगरानी पट्टा गैर आबादी भूमि में जारी किया गया है वकील प्रार्थी यह सिद्ध करने में असफल रहे हैं कि पट्टा गैर आबादी भूमि में जारी किया गया है। इस बाबत एक लिखित बेचाण की फोटोप्रति भी पेश की है जो अनरजिस्टर्ड है। तथा मौका रिपोर्ट भी पेश की गई है जिस पर किसी क हस्ताक्षर नहीं है न ही प्रमाणित है। ऐसी स्थिति में उन्हें सही विधिसम्मत आधार पर गैर आबादी भूमि में पट्टा जारी करने का नहीं माना जा सकता है।
 2. जैर निगरानी पट्टा दो व्यक्तियों मोहनलाल पुत्र श्री गणेशमल एवं नथमल पुत्र श्री मोहनलाल जाति टाक निवासी निमाज के नाम जारी सुदा है लेकिन निगरानी एक ही व्यक्ति नथमल पुत्र मोहनलाल जाति टाक (कलाल) निवासी निमाज के नाम पेश की गई है जो विधिसम्मत नहीं है। तथा नियम 266 तक की पालना करते हुए पट्टा जारी किया गया है या नहीं यह पत्रावली संख्या 321 ए पंचायत रेकॉर्ड में उपलब्ध नहीं होने से राजस्थान पंचायत राज नियम 266 तक नियमों की पालना की गई अथवा नहीं यह नहीं सिद्ध किया जा सकता है न ही इस तथ्य का बिना पत्रावली के परिक्षण ही किया जा सकता है अर्थात् प्रार्थी अपनी निगरानी में राजस्थान पंचायती राज नियमों की पालना नहीं की गई है यह तथ्य सिद्ध करने में भी असफल रहा है।
 3. पट्टा 1972 में राजस्थान पंचायत राज नियम 1961 में पट्टा 5527 वर्गफीट तक का जारी किया जाना अनुमत था जिसकी एक प्रक्रिया है कि उसकी कीमत को लेकर की जो उपपंजियक की आबादी दर का 1/12 वां व 1/6 वां भाग के राशि प्रभारित कर पट्टा जारी किया जाने का प्रावधान था। जैर निगरानी पट्टे के संदर्भ में पंचायत की पत्रावली (मिसल) के अभाव में यह भी सिद्ध करने में भी वकील प्रार्थी असफल रहे हैं। कि उक्त पट्टा 5527 वर्ग फीट का जारी करन का अधिकार पंचायत को नहीं था।
 4. वकील प्रार्थी ने वक्त बहस पट्टा धारा के पट्टा बनाते समय नाबालिग होने का कथन किया है जिसका कोई आधार नहीं बताया है मात्र प्रार्थी के निगरानी प्रार्थना पत्र में ही नाबालिग होने का कथन है किसी लिखित बेचाण अथवा पट्टा में किसी भी पट्टाधारी की उम्र नाबालिग उल्लेखित नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रार्थी अपनी निगरानी व बहस में अप्रार्थीगण के किसी को भी नाबालिग होना सिद्ध नहीं कर पाये है। न ही प्रस्ताव नहीं लिया गया यह सिद्ध किया गया है। जबकि पंचायत द्वारा प्रस्ताव संख्या 1 दिनांक 23.1.1972 लिया जाने का उल्लेख पट्टे में किया है।

उपरोक्त समस्त तथ्यों के आधार पर प्रार्थी द्वारा प्रस्तुत निगरानी प्रार्थना पत्र निरस्त किया जाता है तथा जैर निगरानी प्रस्ताव संख्या 1 दिनांक 23.1.1972 व मिसल संख्या 321 ए/ 1971-72 में पारित आदेश की पालना में जारी पट्टा संख्या 19 को यथावत रखा जाता है।

निर्णय आज दिनांक 18-10-21 को मेरे द्वारा लिखवाया जाकर शामिल मिसल किया गया।



Ansh

(अंश दीप)

जिला कलेक्टर, पाली
जिला कलेक्टर, पाली